Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, द्वितीय सत्र

वेदान्त-मीमांसा-2

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. जीवात्मा अणु परिमाण है, वेदान्त दर्शन को अधिकृत करके विस्तृत व्याख्या लिखें।

2. मीमांसा न्याय प्रकाश के अनुसार शाब्दीभावना व आर्थीभावना का विस्तृत विवेचन करें।

3. परमात्मा जीवात्मा से भिन्न है वेदान्तदर्शन के अनुसार सिद्ध करें।

4. जगत् उत्पत्ति के विषय में प्रकृति के स्वतन्त्र कारणवाद का निराकरण करें।

5. वेदान्तदर्शन को अधिकृत करके आत्मा के कर्तृत्व को सिद्ध करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. सृष्टि रचना करने में ब्रह्म का अपना क्या प्रयोजन है?

7. मीमांसान्यायप्रकाश के अनुसार 'वेद विभाग' पर प्रकाश डालें।

8. वेदान्त दर्शन के अनुसार ''असद्वाद्'' का निराकरण प्रस्तुत करें।

9. ''अनैकान्तवाद'' का निराकरण वेदान्तदर्शन के अनुसार प्रस्तुत करें।

10. वेदान्तदर्शन के अनुसार आत्मा के नित्यत्व को सिद्ध करें।

11. ''संज्ञामूर्तिक्लृप्तिस्तु त्रिवृत्कुर्वत उपदेशात्'' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

12. ''शरीर में प्राणों व इन्द्रियों की उत्पत्ति भी ईश्वरकृत है' इस तथ्य को वेदान्तदर्शन के अनुसार स्पष्ट करें।

----------X----------